1. बातचीत (बालकृष्ण भट्ट)

प्रश्नोत्तर

1. अगर हम में वाक्शक्ति न होती तो क्या होता ?

उत्तर- अगर हममे वाक्शक्ति न होती तो यह समस्त सृष्टि गूँगी प्रतीत होती । सभी लोग चुपचाप बैठे रहते , हम जो बोलकर सुख और दुःख का अनुभव करते है ,वाक्शक्ति न होने के कारण हम वो नही कर पाते ।

2. बातचीत के सम्बन्ध में वेन जॉनसन और एडिशन के क्या विचार है ?

उत्तर - बातचीत के सम्बन्ध में वेन जॉनसन का राय है की बोलने से ही मनुष्य के सही रूप का पता चल पता है । अगर मनुष्य चुप-चाप रहे तो उसके गुण तथा अवगुण का पता नही चल पायेगा । एडिसन का राय है की असल बातचीत सिर्फ दो व्यक्तियों में हो सकती है , जिसका तात्पर्य यह हुआ कि वो एक दुसरे से दिल खोल के बात कर सकते है , अगर वहां कोई तीसरा व्यक्ति आता है तो फिर वो बाते खुल कर नही हो पाती है ।

3. 'आर्ट ऑफ़ कन्वर्सेशन' क्या है ?

उत्तर- यह बात करने की एक ऐसी कला होती है जिसमे बातचीत के दौरान चतुराई के साथ प्रसंग छोड़े जाते है जिन्हें सुनकर अत्यंत सुख मिलता है । यह कला यूरोप के लोगो में ज्यादा पाई जाती है ।

4. मनुष्य की बातचीत का उत्तम तरीका क्या हो सकता है ? इसके द्वारा वह कैसे अपने लिए सर्वथा नविन संसार की रचना कर सकता है ?

उत्तर-मनुष्य में बातचीत का सबसे उत्तम तरीका उसका आत्म वार्तालाप है। मनुष्य अपने अन्दर ऐसी शक्ति विकसित करे जिसके कारण वह अपने आप से बात कर लिया करे । आत्म वार्तालाप इसलिए जरुरी है ताकि क्रोध पर नियंत्रण पाया जा सके जिससे दुसरो को कष्ट न पहुचे । क्योकि हमारी भीतर की मनोवृति नए रंग दिखाया करती है । वह हमेसा बदलती रहती है । इन्सान को चाहिए कि वो अपने जिह्वा पर काबू रखे तथा अपने मधुर वाणी से दुसरे को प्रसन्न । ऐसा करने से किसी से न तो कटुता रहेगी और णा ही किसी से बैर । इससे दुनिया खुबसूरत हो जाएगी । यही बातचीत का उत्तम तरीका है ।

SCIENCE SANGRAH

5. व्याख्या करे-

(a) हमारी भीतरी मनोवृति नये नये रंग दिखाती है । वह प्रपंचात्मक संसार का एक बड़ा भारी आइना है, जिसमे जैसी चाहो वैसी सूरत देख लेना कोई दुर्घट बात नही है ।

उत्तर – प्रस्तुत पंक्तिया विद्वान लेखक बालकृष्ण भट्ट द्वारा रचित 'बातचीत' निबंध से लिया गया है । इन पंक्तियों में लेखक ने लिखा है की जब मनुष्य समाज में रहता है तो समाज से ही भाषा सीखता है। भाषा उसके विचार अभिव्यक्ति का माध्यम बन जाती है । परन्तु उसके अंदर की मनोवृति स्थिर नही रहती है । वैसे भी एक कहावत कहा गया है की 'चित बड़ा चंचल होता है' । इसकी चंचलता के कारण एक मनुष्य दुसरे मनुष्य को दोस्त और दुश्मन मान लेता है । वह कभी क्रोध कर लेता है तो कभी मिठी बाते करता है । इस स्थिति में मनुष्य की असली चरित्र का पता नही चल पाता । मनुष्य के मन की स्थिति गिरगिट के तरह रंग बदलती रहती है । इस स्थिति के कारण लेखक इस मन के प्रपंचो को जड़ मानते है । वह कहते है कि यह आइना के समान है । इस संसार में छल- कपट झूठ फरेब सब होते । इसका सबसे बड़ा कारण मन की चंचलता है । अतः हमे अपने मन पर नियंत्रण करना होगा ।

(b) सच है जब तक मनुष्य बोलता नही तब तक उसका गुण दोष प्रकट नही होता ।

उत्तर – प्रस्तुत पंक्तिया विद्वान लेखक बालकृष्ण भट्ट द्वारा रचित पाठ 'बातचीत' से लिया गया है । निबंध के माध्यम से यह बताना चाहते है कि बातचीत ही एक ऐसा विशेष तरीका होता है जिसके कारण मनुष्य आपस में प्रेम से बाते कर उसका आनंद उठाते है परन्तु मनुष्य जब वाचाल हो जाता है अथवा बातचीत के दौरान अपने आप पर काबू नही रख पाता है तो वह दोष है परन्तु जब वही संजीदगी से सलीके से बातचीत करता है तो वह गुण है ।मनुष्य के चुप रहने के कारण उसके चरित्र का कुछ पता नही चलता परन्तु वह जैसे ही कुछ बोलता है तो उसकी वाणी के माध्यम से उसके गुण और दोष प्रकट होने लगता है ।

SCIENCE SANGRAH

सारांश

प्रस्तुत निबंध 'बातचीत' के लेखत महान पत्रकार 'बालकृष्ण भट्ट' है । बालकृष्ण भट्ट बातचीत निबंध के माध्यम से मनुष्य की ईश्वर द्वारा दी गई अनमोल वस्तु वाक्शक्ति का सही इस्तेमाल करने को बताते है । महान लेखत बताते है की यदि मनुष्य में वाक्शक्ति नही होती तो हम नही जानते है किस इस गूँगी सृष्टि का क्या हाल होता? लेखक बातचीत के विभिन्न तरीके भी बताते है । वे बताते है की जहाँ आदमी की अपनी जिन्दगी मजेदार बनाने के लिए खाने,पिने,चलनें, फिरने आदि की जरुरत है उसी प्रकार बातचीत की भी अत्यंत आवश्यकता । हमारे मह में जो कुछ गंदगी या धुँआ जमा रहता है वो बातचीत माध्यम से भाप बनकर हमारे मन से बाहर निकल पड़ता है । इससे हमारा चित हल्का और स्वच्छ हो जाता है । हमारे जीवन में बातचीत का भी एक खास तरह का मजा होता है । यही नही, भट्ट जी ये भी बताते है की जब तक मनुष्य बोलता नही तब तक उसका गुण और दोष प्रकट नही होता । महान विद्वान 'वेन जॉनसन' का कहना है की बोलने से ही मनुष्य के रूप का सही साक्षात्कार हो पाता । वे कहते है की चार से अधिक की बातचीत तो केवल राम रामौवल । यूरोप के लोग से बातचीत का हुनर है जिसे आर्ट ऑफ़ कन्वर्सेशन कहते है । बालकृष्ण भट्ट बातचीत का उत्तम तरीका यह मानते है की हम वह शक्ति पैदा करे की अपने आप से बात कर ले ।

Thank you dear

By- Anu Sir (Science Sangrah)

SCIENCE SANGRAH